अंचल अधिकारी का कार्यालय, धनबाद।

संदिग्ध/अवैध जमाबंदी रद्द अभिलेख स० 85/19-20

बिहार (झारखड) भूमि सुधार अधि० 1950 की धारा 4(h के तहत जांच एवं कार्रवाई से संबधित।

दिनांक	आदेश फलक	अभियुक्ति
22/3/19	झारखड सरकार के ज्ञापांक–2074/रा० दिनाक–13.05.2016 सहपठित–श्री अनुज मुखर्जी निर्देशक, भू–अर्जन–सह–विशेष सचिव राजस्व एंव भूमि सुधार विभाग का पत्र संख्या–3–खा० म० निति–119/85/2308/रा० दिनाक 03.09.1985 एव सह–पठित राजस्व विभागीय, परिपत्र संख्या–914/रा० दिनाक 09.12.1998 मे निहित निर्देश के अनुपालन मे गैरमजरूआ खास भूमि की कायम की गयी जमाबदियो की जॉच प्रारंभ की गयी। जाच के क्रम मे हल्का राजस्व उपनिरिक्षक (राजस्व कर्मचारी) के द्वारा प्रतिवेदित किया गया विवरणी निम्नवत है– मौजा– कोलाकुसमा मौजा न०– 12 खाता न० 142 प्लॉट न० 1248, 1300 रकवा 2 कट्ठा 2 छटांक 18 वर्गफीट की भूमि जो गैरमजरूआ खास, अनाबाद बिहार(झारखंड) सरकार के खाते की सरकारी भूमि है जिसकी जमाबदी उस मौजा के पजी–।। के जिल्द सख्या 17 के पृष्ट संख्या 3157 पर जमाबंदी रैयत श्रीमती पुष्पा देवी पति– श्री अशोक कु० राउत के नाम से कायम है। हल्का राजस्व उपनिरिक्षक(राजस्व कर्मचारी) के द्वारा जाचोपरात उपर्युक्त विवरणी की भूमि के विरुद्व कायम जमाबदी को संदिग्ध प्रतिवेदित किया गया है। जॉच प्रतिवेदन से प्रतित होता है कि उपर्युक्त जमाबदी बिना सक्षम प्राधिकार के आदेश के/अवैध बंदोबस्ती के आधार प/अवैध कोडकर बंदोबस्ती के आधार पर/ अवैध लगान निर्धारण के आधार पर/सादा हुकुमनामा के आधार पर कायम की गयी है जिसका उदेश्य निजि लाभ एंव राज्य को क्षति कारित करना है। प्रथम दृष्टया उपर्युक्त से स्पष्ट होता है कि उपर्युक्त विवरणी की जमीन की सृजित जमांबदी अवैध प्रतीत होती है, जिसका बिहार (झारखड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(h) के तहत जॉच किया जाना वांछनीय प्रतीत होता है। अत– उपरोक्त जॉच प्रतिवेदन पर अंचल–निरिक्षक का मंतव्य प्राप्त करे। अभिलेख दिनाक 1/4/19 को रखे। 23-3-19 अंचल अधिकारी, धनबाद।	

Scanned with CamScanner

1/4/19 अभिलेख उपस्थापित। अंचल निरीक्षक से मंतव्य / प्रतिवेदन अप्राप्त है। अभिलेख दिनांक 15/4/19 को रखे।

अंचल अधिकारी
धनबाद।

15/4/19 अभिलेख उपस्थापित। अधोहस्ताक्षरी निर्वाचन कार्य मे व्यस्त रहने के कारण अभिलेख की सुनवाई नही हो सका।
अभिलेख दिनांक 29/4/19 को रखे।

अंचल अधिकारी
धनबाद।

15/6/20 अभिलेख उपस्थापित। अंचल निरीक्षक का प्रतिवेदन मतव्य सहित प्राप्त। प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में विपक्षी को नोटिस निर्गत करे। अभिलेख दिनांक 29/6/20 को रखे।

अंचल अधिकारी
धनबाद।

29/6/20 अभिलेख उपस्थापित। अभिलेख के अवलोकनोपरान्त पाया कि मौजा कोलाकुसमा मौजा न0 12 खाता 142 प्लाट न0 1298, 1200 रकबा 2 एकड़, 2 एकड़ 18 डिसमिल भूमि से संबंधित है। आवेदित भूमि गत सर्वे खतियान के अनुसार गैरआवाद खाते की भूमि है। जमाबंदी रैयत के खोज बीन के उपरान्त पता नही चल सका, जिसके कारण बिना नोटिस का तामिला प्रतिवेदन प्राप्त है (सुलभ प्रसंग हेतु नोटिस की प्रति संलग्न)। आवेदित भूमि दाखिल खारिज केस न0 .... (....) .... के अनुसार कायम है। तत्कालीन अंचल अधिकारी , धनबाद द्वारा उक्त पंजी को संदेहास्पद माना गया है। जिसे संबंधित उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक ने उक्त जमाबंदी को रद्द हेतु प्रस्ताव प्रतिवेदन अनुशंसा सहित समर्पित किया

अतः जॉच प्रतिवेदन के आलोक मे जमाबंदी रद्द हेतु अभिलेख भूमि सुधार उपसमाहर्ता धनबाद को भेजे।

लेखापित एवं संशोधित।

अंचल अधिकारी,
धनबाद।

अंचल अधिकारी
धनबाद।

Scanned with CamScanner

अंचल अधिकारी का कार्यालय

वाद अभिलेख संख्या—.........85....../2019 20 (अन्तर्गत धारा—4(b), BLR Act, 1950)

सूचना

बनाम्...... श्रीमती प्रभावती देवी

पति- श्री अशोक कु० यादव

ग्रा०- फोरबुरुना

एतद द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि मौजा—.......................थाना नं0—................. खाता नं0—.................. खेसरा नं0—....................रकबा—................ से संबंधित आपके नाम से ह0 नं0—.............. के पंजी—II भाग........... के पृष्ठ..................पर दर्ज जमाबंदी प्रथम दृष्टया राजस्व कर्मचारी ने अंचल निरीक्षक के माध्यम से जाँचोपरान्त संदिग्ध प्रतिवेदित किया है।

अतएव आप उक्त संबंध में दिनांक—....................को समय—11:00 बजे पूर्वाहन में उक्त भूमि का रिटर्न—I, भूमि बंदोबस्ती से संबंधित हुकुमनामा, भूतपूर्व जमींदार द्वारा निर्गत जमींदारी रसीदों, फार्म M एवं सरकार में जमींदारी निहित होने के बाद सरकार द्वारा निर्गत राजस्व रसीदों निर्गत परवाना एवं अन्य ठोस साक्ष्यों की मूल प्रति/सत्यापित प्रति जो आपके उक्त भूमि पर दावे की पुष्टि करता हो, के साथ अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय प्रकोष्ठ में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें।

सनद रहे कि अन्यथा कि स्थिति में समझा जायेगा कि उक्त संबंध में आपको कुछ नहीं कहना है तथा उपलब्ध दस्तावेज/साक्ष्यों के आधार पर समुचित निर्णय पर पहूँचते हुए दर्ज जमाबंदी के संबंध में युक्ति—युक्त निर्णय लेते हुए विधिसम्मत अनुशंसा कर दी जायेगी।

इसे सख्त ताकीद जानें।

तिथिः—

मुहर

अंचल अधिकारी

स्थानः—

robin C:\Users\HP\Desktop\binod sir\court case.docx

संदिग्ध / संदेहास्पद जमाबंदी संबंधी जाँच प्रतिवेदन

4123

1. संदिग्ध/संदेहास्पद जमाबंदी रैयत का नाम :- श्री मती सुजाता देवी पति ओमप्रकाश कु० सिंह

2. जमाबंदी से संबंधित भूमि का विवरण :-

मौजा	थाना सं0	खाता सं0	प्लॉट सं0	रकबा
लोगानुग्राम	12	142	1298 1300	2 एकड़ 2 डिसमिल 18 डिसमिल

3. जमाबंदी पंजी – II के जिल्द संख्या ....12.... पृष्ठ सं0 .....3157..... पर कायम है–

4. जमाबंदी किस वर्ष से कायम है – 2006-07

5. खतियान के अनुसार उपरोक्त भूमि के खातेदार का नाम :– गैर आवाद

6. किस सक्षम प्रधिकार / पदाधिकारी के आदेश से जमाबंदी कायम की गई है :– लगान धार्य / बन्दो वस्ती/ दा0 खा0 मु0सं0 1260(II) 2006-07 जमाबंदी 2702 है आदि

7. यदि संदेहास्पद जामबंदी नामान्तरण द्वारा स्थापित है तो मूल जमाबंदी रैयत का नाम :- ....

8. मूल जमाबंदी कायम किए जाने का आधर (अनिर्बंधित सादा हुकुमनामा / लगान निर्धारण / अवैध भूबंदोबस्ती – दा० खा० केस नं 1221 (II) 04-05 जमाबंदी 287 है आदि

9. संदेहास्पद जमाबंदी की जाँच किस राजस्व अभिलेख से की गई (भूतपूर्व जमींदार द्वारा

दाखिल रिटर्न / बन्दोबस्ती पंजी/ लगान निर्धारण पंजी / भू – हस्तांतरण पंजी

10. संदेहास्पद जमाबंदी में अंकित लगान रसीद संख्या एवं वर्ष –

क्र0 संख्या	लगान रसीद संख्या	रसीद निर्गत तिथि	वसूली वर्ष
1	2049912	9-5-06	2006-07
2	408152	22-8-09	9-10

Scanned with CamScanner